राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू

अभिव्यक्ति काव्य मंच — साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

अड़तालीसवीं आभासी काव्य संध्या — कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजन तिथि : 5 अप्रैल 2026

📌 कार्यक्रम परिचय एवं उद्देश्य

आज 5 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू के अभिव्यक्ति काव्य मंच ने अध्यक्षा डॉ. मंजु लता जी की अध्यक्षता में आभासी पटल के माध्यम से अपनी **अड़तालीसवीं (48th) काव्य संध्या** का सफ़ल आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य साहित्य प्रेमियों में भक्ति-भाव के साथ आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना तथा समसामयिक स्थितियों से जोड़ते हुए आज के परिदृश्य पर विचार प्रकट करना था।

👑 मुख्य अतिथियों का विवरण

- **मुख्य अतिथि एवं समीक्षक :** डॉ. वीणा अग्रवाल जी (परिचय : श्रीमती ऋचा पाठक)
- **विशिष्ट अतिथि :** श्री सुरेश जागिड़ जी (परिचय : श्रीमती उषा गुप्ता)
- **सरस्वती वंदना :** आदरणीया श्रीमती गीता चौबे जी

🏛️ संस्था पदाधिकारी एवं संरक्षक

- **अध्यक्ष :** डॉ. मंजु लता जी
- **संस्थापक :** डॉ. अरविन्द गुप्ता जी
- **निवेदक एवं संरक्षक :** डॉ. मैथिली पी. राव जी
- **मंच संचालन :** श्रीमती मीना गुप्ता जी (सचिव)

🎤 सहभागी कवि एवं कवयित्रियाँ (कुल 18 प्रविष्टियाँ)

काव्य-सम्मेलन में कुल 18 कवि एवं कवयित्रियों ने ऑनलाइन मंच पर भक्ति, सामाजिक जागरूकता और आध्यात्मिकता जैसे विविध विषयों पर अपनी प्रभावशाली रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया :

डॉ. मंजु लता (अध्यक्षा) · डॉ. अरविंद गुप्ता · अनीता पांडा · गीता चौबे · उषा उमेश गुप्त · उषा कंसल · नमिता सिन्हा · सुलेखा कुलश्रेष्ठ · कनू सिंह · आशा रानी शरण · मीनू परियानी · नीना गुप्ता · पुष्पा त्रिपाठी 'पुष्प' · डॉ. अनुराधा के · मृदुला चौहान · सुदर्शन कौर · मीना गुप्ता

✨ कार्यक्रम का सारांश एवं समापन

मुख्य अतिथि डॉ. वीणा अग्रवाल जी ने भाव-भक्ति से भरी रचना प्रस्तुत करने के साथ संस्था के साहित्यिक कार्यों की सराहना की तथा सभी रचनाओं की विषद समीक्षा की। विशिष्ट अतिथि श्री सुरेश जागिड़ जी ने राम भक्ति की कविता से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

अध्यक्षा महोदया ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस प्रकार के ऑनलाइन आयोजनों से साहित्यिक प्रतिभाएँ निखरती हैं। आभासी मंच पर भी वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आभासी काव्य-सम्मेलन सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय रहा।

अध्यक्षीय संदेश: *"आभासी मंच माध्यम मात्र है, साहित्य का निखार और हृदय की भावनाएँ असीम हैं। ऐसे निरंतर आयोजन हमारी साहित्यिक यात्रा को समृद्ध बनाते हैं।"*